Om Jai Jagdish Hare Aarti Lyrics in Hindi English

Om Jai Jagdish Hare Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय जगदीश हरे,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट,
क्षण में दूर करे ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

जो ध्यावे फल पावे,
दु:ख बिनसे मन का,
स्वामी दु:ख बिनसे मन का ।
सुख सम्पति घर आवे,
सुख सम्पति घर आवे,
कष्ट मिटे तन का ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

मात पिता तुम मेरे,
शरण गहूं किसकी,
स्वामी शरण गहूं मैं किसकी ।
तुम बिन और न दूजा,
तुम बिन और न दूजा,
आस करूं मैं जिसकी ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

तुम पूरण परमात्मा,
तुम अन्तर्यामी,
स्वामी तुम अन्तर्यामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर,
पारब्रह्म परमेश्वर,
तुम सब के स्वामी ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

तुम करुणा के सागर,
तुम पालनकर्ता,
स्वामी तुम पालनकर्ता ।
मैं मूरख फलकामी,
मैं सेवक तुम स्वामी,
कृपा करो भर्ता ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

तुम हो एक अगोचर,
सबके प्राणपति,
स्वामी सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूं दयामय,

किस विधि मिलूं दयामय,
तुमको मैं कुमति ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

दीन-बन्धु दुःख-हर्ता,
ठाकुर तुम मेरे,
स्वामी रक्षक तुम मेरे ।
अपने हाथ उठाओ,
अपने शरण लगाओ,
द्वार पड़ा तेरे ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

विषय-विकार मिटाओ,
पाप हरो देवा,
स्वमी कष्ट हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,
सन्तन की सेवा ॥

ॐ जय जगदीश हरे,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट,
क्षण में दूर करे ॥

Om Jai Jagdish Hare Aarti Lyrics in English

Om Jai Jagdish Hare
Swami Jai Jagdish Hare
Bhakt janon ke sankat,
Daas janon ke sankat,
Kshan mein door kare
 Om Jai Jagdish Hare

Jo dhyave phal paave,
Dukh binse man ka,
Swami dukh binse man ka.
Sukh sampatti ghar aaye,
Sukh sampatti ghar aaye,
Kasht mite tan ka.
 Om Jai Jagdish

Maat pita tum mere,
Sharan gaho kiski,
Swami sharan gaho main kiski.
Tum bin aur na dooja,
Tum bin aur na dooja,
Aas karu main jiski.
 Om Jai Jagdish Hare

Tum poorn parmatma,

Tum antaryami,
Swami tum antaryami.
Parabrahm parmeshwar,
Parabrahm parmeshwar,
Tum sabke swami.
 Om Jai Jagdish

Tum karuna ke sagar,
Tum paalan karta,
Swami tum paalan karta.
Main moorkh falkaami,
Main sevak tum swami,
Kripa karo bharta.
 Om Jai Jagdish Hare

Tum ho ek agocchar,
Sabke pranpati,
Swami sabke pranpati.
Kis vidh miloon dayamayi,
Kis vidh miloon dayamayi,
Tumko main kumati.
 Om Jai Jagdish Hare

Deen-bandhu dukh-harta,
Thakur tum mere,
Swami rakshak tum mere.
Apne haath uthao,
Apne sharan lagao,
Dwaar pada tere.
 Om Jai Jagdish Hare

Vishay-vikaar mitaao,
Paap haro deva,
Swami kasht haro deva.
Shraddha bhakti badhao,
Shraddha bhakti badhao,
Santan ki seva.

Om Jai Jagdish Hare,
Swami Jai Jagdish Hare
Bhakt janon ke sankat,
Daas janon ke sankat,
Kshan mein door kare

About Om Jai Jagdish Hare Aarti in English

“Om Jai Jagdish Hare” is one of the most popular and revered Hindu devotional hymns (aarti) sung in praise of Lord Vishnu, the preserver of the universe. It is a prayer for seeking protection, blessings, and guidance from the divine. The aarti is commonly recited in temples, during religious gatherings, and in homes as a symbol of devotion and surrender to the Lord.

The hymn consists of multiple verses that describe Lord Vishnu’s qualities, such as being the

ultimate source of compassion, the protector of all beings, and the embodiment of the supreme consciousness. The aarti acknowledges Lord Vishnu's role as the creator, sustainer, and destroyer, invoking his divine power to remove obstacles and grant peace and prosperity.

Each verse of the aarti emphasizes surrendering to Lord Vishnu, seeking his protection in times of distress, and expressing gratitude for his eternal grace. Devotees believe that chanting "Om Jai Jagdish Hare" brings them closer to the divine and helps in overcoming life's difficulties. It is a beautiful expression of faith, devotion, and humility, reminding us to rely on the higher power for guidance, solace, and strength during challenging times.

About Om Jai Jagdish Hare Aarti in Hindi

"ॐ जय जगदीश हरे" एक अत्यंत प्रसिद्ध और श्रद्धेय हिंदू भक्ति गीत (आरती) है, जो भगवान विष्णु की स्तुति में गाया जाता है। यह आरती भगवान विष्णु से आशीर्वाद, सुरक्षा और मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए गाई जाती है। इसे मंदिरों, धार्मिक सभाओं और घरों में भक्ति भाव से गाया जाता है।

यह आरती भगवान विष्णु के गुणों का वर्णन करती है, जैसे वे ब्रह्मांड के पालनहार, करुणा के सागर, और सृजन, पालन तथा संहार के आदित्य हैं। यह आरती भगवान विष्णु से संकटों से मुक्ति, शांति और समृद्धि की कामना करती है।

आरती के प्रत्येक पद में भगवान विष्णु के प्रति समर्पण और उनके शरण में आने का आह्वान किया गया है। भक्त भगवान से हर मुश्किल के समय में सहायता और संरक्षण की प्रार्थना करते हैं। "ॐ जय जगदीश हरे" का जाप करने से भक्तों को मानसिक शांति और दिव्य कृपा प्राप्त होती है। यह एक सुंदर भक्ति अभिव्यक्ति है, जो भगवान के प्रति हमारी श्रद्धा और विश्वास को प्रगाढ़ करती है, और जीवन की कठिनाइयों से उबरने के लिए हमें शक्ति और मार्गदर्शन प्रदान करती है।